हरिदेव जोशी
पत्रकारिता और जनसंचार
विश्वविद्यालय
HJU

एचजेयू संवाद

वर्ष : 1 ▢ अंक 3 अप्रैल-सितंबर 2026

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और
जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर
द्वारा प्रकाशित न्यूज़लेटर



एचजेयू में नव-प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ 2026 का आयोजन

मीडिया छात्रों के लिए सतही नहीं, गहन अध्ययन जरूरी : प्रो. के.जी. सुरेश

जयपुर, 8 सितंबर 2026। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय (एचजेयू) में मंगलवार को नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए 'दीक्षारम्भ-2026' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों से संवाद सत्र हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय ने की। मुख्य वक्ता के रूप में इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली के निदेशक प्रो. के. जी. सुरेश मौजूद रहे. कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के अतिरिक्त निदेशक (जनसंपर्क), लेखक एवं साहित्य समीक्षक डॉ. राजेश कुमार व्यास मुख्य अतिथि थे। अतिथियों को शॉल और श्रीफल भेंटकर कुलगुरु ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. गरिमा श्री ने किया, वहीं मंच संचालन डॉ. रतन सिंह शेखावत ने किया।

विश्वविद्यालय कुलगुरु प्रो. नंद किशोर पाण्डेय ने विश्वविद्यालय का परिचय देते हुए विद्यार्थियों को अपने विषय की गहराई से समझ विकसित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश के बाद विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि अपने विषय से जुड़े विभिन्न पहलुओं को समझने के साथ तथ्यात्मक जानकारी हासिल करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से लगातार पढ़ने, सीखने और अपने ज्ञान को व्यापक बनाने का आह्वान किया।

मुख्य वक्ता के.जी. सुरेश ने अपने वक्तव्य में कहा कि एक पत्रकार के लिए शिक्षण और प्रशिक्षण दोनों जरूरी है। मीडिया विद्यार्थियों को सतही जानकारी के बजाय गहन अध्ययन पर ध्यान देना चाहिए, ताकि वे अपने विषय के विशेषज्ञ बन सकें। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के साथ अपनी बुद्धिमत्ता का भी इस्तेमाल करें और हर जानकारी को क्रॉस-वेरिफाई करने के बाद ही आगे बढ़ाएं। एआई की चुनौतियों पर चर्चा करते हुए डॉ. राजेश कुमार व्यास ने कहा कि यह साधन है, साध्य नहीं। तकनीक का इतना भी इस्तेमाल न हो कि वह इंसान पर नियंत्रण करने लगे। उन्होंने विश्वविद्यालय के दीक्षारंभ कार्यक्रम की भी प्रशंसा की।



मीडिया छात्रों से के.जी. सुरेश का आह्वान

- भाषा पर मजबूत पकड़ बनाएं
- नियमित शोध की आदत विकसित करें
- तथ्यों की गहराई तक जाकर कंटेंट तैयार करें
- बदलते दौर में मल्टीटास्किंग बनें
- किसी भी कंटेंट को लाइक, शेयर या रीपोस्ट करने से पहले विचार करें


प्रो. के.जी सुरेश का स्वागत करतीं डॉ. शालिनी जोशी।


डॉ. राजेश व्यास का स्वागत करते डॉ. मनोज लोढा।

पत्रकारिता में अवलोकन जरूरी : डॉ. राजेश व्यास

- पत्रकारिता के लिए व्यावहारिक होना जरूरी।
- पत्रकारिता एकमात्र ऐसा अध्ययन है, जहां पढ़कर कोई विषय अछूता नहीं रह जाता।
- मीडिया में रहते हुए लगातार अवलोकन करना जरूरी।
- शब्दों के संस्कार और भाषा की समझ से पत्रकारिता को बेहतर बनाया जा सकता है।

हरिदेव जोशी
पत्रकारिता और जनसंचार
विश्वविद्यालय
HJU

वर्ष : 1 ◻ अंक 3 अप्रैल-सितंबर 2026

एचजेयू संवाद

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और
जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर
द्वारा प्रकाशित न्यूज़लेटर

02



सम्पादकीय



डॉ. रतन सिंह शेखावत



परिसर की गतिविधियों से विचारों के विस्तार तक

प्रिंट मीडिया केवल समाचारों के प्रकाशन का माध्यम नहीं, बल्कि स्मृतियों, विचारों और उपलब्धियों को संजोने का सशक्त दस्तावेज है। डिजिटल माध्यमों की तीव्र गति के बीच भी मुद्रित शब्दों की विश्वसनीयता, गंभीरता और स्थायित्व का अपना विशेष महत्व है। इसी दृष्टि के साथ हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय का न्यूजलेटर 'एचजेयू संवाद' विश्वविद्यालय की गतिविधियों, विद्यार्थियों की सहभागिता और शैक्षणिक वातावरण को निरंतर शब्दों में अभिव्यक्त करने का प्रयास कर रहा है।

'एचजेयू संवाद' के इस अंक में विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित विभिन्न नियमित कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता, खेल और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े विविध पहलुओं को प्रस्तुत किया गया। इन कार्यक्रमों में मीडिया और संबंधित विषयों के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया तथा उन्हें अपने ज्ञान, अनुभव और विचारों से समृद्ध किया। 'मानसिक स्वास्थ्य और सोशल मीडिया' पर केंद्रित कार्यक्रम ने डिजिटल माध्यमों के बढ़ते प्रभाव के बीच मानसिक संतुलन, जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार और स्वस्थ संवाद की आवश्यकता को रेखांकित किया।

इसी क्रम में 'नशा मुक्ति अभियान' के माध्यम से विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। खेल दिवस पर आयोजित शतरंज प्रतियोगिता ने एकाग्रता, तार्किक चिंतन और निर्णय क्षमता के महत्व को सामने रखा। वहीं, दीक्षारंभ कार्यक्रम ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परंपराओं, मूल्यों और अवसरों से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित सिंधी साहित्य से संबंधित कार्यक्रम ने भाषायी विविधता और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के महत्व को रेखांकित किया। भाषा को किसी समाज के इतिहास, अनुभवों और सांस्कृतिक पहचान की संवाहक के रूप में समझने का अवसर मिला। इन आयोजनों ने विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने और विविध परंपराओं के प्रति सम्मान विकसित करने की प्रेरणा दी। 'एचजेयू संवाद' का उद्देश्य इन आयोजनों का विवरण करना ही नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक जीवन को दस्तावेजीकृत करने और विद्यार्थियों में लेखन, संपादन तथा रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने का माध्यम बनना भी है। 'एचजेयू संवाद' का यह अंक आपको सौंपते हुए हमें अत्यंत खुशी हो रही है। हम इसे विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, पूर्व विद्यार्थियों और विश्वविद्यालय से जुड़े सभी लोगों को समर्पित करते हैं। यह न्यूजलेटर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को संजोने के साथ प्रत्येक विद्यार्थी के विचारों, अनुभवों और रचनात्मकता को अभिव्यक्ति देने वाला साझा मंच बने, यही हमारी कामना है।

संपादक मण्डल

संरक्षक
प्रो. (डॉ.) नन्द किशोर पाण्डेय, कुलगुरु

प्रधान संपादक
डॉ. रतन सिंह शेखावत

सह संपादक
डॉ. शालिनी जोशी

नारी शक्तिवंदन अधिनियम पर कार्यक्रम आयोजित

एचजेयू में नारी शक्तिवंदन पर चर्चा



जयपुर, 15 अप्रैल 2026। हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पांडेय के नेतृत्व में नारी शक्तिवंदन अधिनियम पर ऑनलाइन चर्चा में भाग लिया। इस चर्चा में राजस्थान के कई विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और अन्य संस्थानों से विद्यार्थी जुड़े थे। कार्यक्रम को मुख्यनमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने ऑनलाइन संबोधित किया और छात्राओं से उनके विचार जाने। एचजेयू कॉन्फ्रेंस हॉल में को नारी शक्ति वंदन अधिनियम कार्यक्रम के प्रसारण की व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर कुलगुरु नन्द किशोर पांडे के सानिध्य में विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थियों ने कार्यक्रम को देखा। प्रसारण के दौरान मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने विभिन्न वर्गों की महिलाओं से संवाद करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने इसे महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने वाला ऐतिहासिक निर्णय बताया और कहा कि इससे नीति-निर्माण में महिलाओं की भूमिका सशक्त होगी।

कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं के अधिकारों, सामाजिक सुरक्षा तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी साझा की गई।विद्यार्थियों ने अधिनियम को महिला सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक पहल बताया और कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों को वर्तमान सामाजिक एवं राष्ट्रीय मुद्दों से अवगत कराते हैं तथा उनमें उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करते हैं।



नारी शक्तिवंदन अधिनियम पर मुख्यमंत्री के ऑनलाइन संबोधन को सुनते कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय।

हरिदेव जोशी
पत्रकारिता और जनसंचार
विश्वविद्यालय

वर्ष : 1 ▢ अंक 3 अप्रैल-सितंबर 2026

एचजेयू संवाद

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और
जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर
द्वारा प्रकाशित न्यूज़लेटर

03

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में 'नशामुक्त भारत अभियान' के तहतजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

युवाओं का नशे से दूर रहना भी देश के विकास में योगदान : प्रो.नन्द किशोर पाण्डेय

ब्रह्माकुमारीज की बी.के. रुनझुन और बी.के. कामना ने बताए तनाव प्रबंधन और ध्यान संबंधी सूत्र



जयपुर, 17 सितंबर 2026। हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर में नशामुक्त भारत अभियान के तहत नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए नशामुक्त एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय ने की। अपने संबोधन में प्रो. पाण्डेय ने कहा कि देश अपने युवाओं में अपना भविष्य देखता है, ऐसे में युवा यदि नशे के शिकार होंगे तो देश को आगे नहीं ले जाया जा सकता। उन्होंने कहा कि नशा परिवारों के टूटने और बिखराव की प्रमुख वजह है, इसलिए नशे से बचने के लिए जागरूकता बहुत ही आवश्यक है। सीमा पार से देश विरोधी ताकतें नशे की तस्करी के माध्यम से देश को कमजोर करने की कोशिश करती हैं, लेकिन हमें अपने युवाओं को नशे से भी बचाना है और नशे के फैलते इस जाल को भी तोड़ना है। मुख्य वक्ता बी.के. रुनझुन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशे की शुरुआत कई बार संगति, जिज्ञासा और मित्रों के दबाव जैसी परिस्थितियों से होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से सही संगति चुनने और नशे से दूर रहने के लिए दृढ़ संकल्प लेने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में बचपन से मिलने वाले संस्कार महत्वपूर्ण होते हैं, लेकिन स्कूल और कॉलेज के वातावरण में संगति का प्रभाव भी बढ़ जाता है। गलत संगति और साथियों के दबाव के कारण व्यक्ति धीरे-धीरे ऐसी आदतों की ओर बढ़ सकता है, जो आगे चलकर उसके स्वास्थ्य, पढ़ाई, करियर और पारिवारिक जीवन को प्रभावित करती हैं।

कार्यक्रम में 'पहला कश' लेने की मानसिकता के प्रति भी विद्यार्थियों को सचेत किया गया। वक्ताओं ने उदाहरण के माध्यम से समझाया कि कई बार मित्रता या भावनात्मक दबाव में पहली बार नशे का सेवन किया जाता है और बाद में वही प्रयोग धीरे-धीरे आदत का रूप ले सकता है। उन्होंने युवाओं को नशे से बचने के लिए योग, ध्यान, व्यायाम, पठन-पाठन, रचनात्मक कार्य और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से जुड़ने की सलाह दी।

इस दौरान नशामुक्ति से संबंधित जागरूकता वीडियो भी दिखाए गए। विद्यार्थियों को बताया गया कि नशा केवल स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि व्यक्ति के परिवार, आर्थिक स्थिति, सपनों और जीवन के लक्ष्यों पर भी असर डाल सकता है।

कार्यक्रम का संचालन नशामुक्त भारत अभियान के नोडल अधिकारी रतन सिंह शेखावत ने किया। समन्वयक, अकादमिक एवं प्रशासिनक डॉ. गरिमा श्री ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।



हरिदेव जोशी
पत्रकारिता और जनसंचार
विश्वविद्यालय

वर्ष : 1 ▢ अंक 3 अप्रैल-सितंबर 2026

एचजेयू संवाद

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और
जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर
द्वारा प्रकाशित न्यूज़लेटर

04



एचजेयू कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पांडेय ने की जनसंपर्क दिवस कार्यक्रम की अध्यक्षता

जयपुर, 21 अप्रैल, 2026। पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) की ओर से 21 अप्रैल को 58वें राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के अवसर पर पिंक सिटी प्रेस क्लब में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्व विद्यालय, जयपुर के कुलगुरु प्रो. नंद किशोर पांडेय ने की। इस बार के आयोजन की थीम 'जनसंपर्क लोकतंत्र का पांचवां स्तंभ' थी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व आईएएस अधिकारी श्री पवन अरोड़ा थे। पीआरएसआई जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष श्री वीरेंद्र पारीक सहित सभी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में जनसंपर्ककर्मी इस अवसर पर उपस्थित रहे। जनसंपर्क से जुड़े कई प्रमुख लोगों को इस अवसर पर उनके योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर प्रो. पांडेय ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। साथ ही जनसंपर्क की भूमिका को भी समाज और राजनीति में नकारा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क के महत्व को ध्यान में रखते हुए ही पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय पत्रकारिता के विभिन्न पाठ्यक्रमों के साथ ही जनसंपर्क और विज्ञापन में भी दो वर्षीय स्नातकोत्तवर पाठ्यक्रम संचालित करता है।



हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय

HJU

05

वर्ष : 1 ◻ अंक 3 अप्रैल-सितंबर 2026

एचजेयू संवाद

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा प्रकाशित न्यूज़लेटर

अब पत्रकारिता और जनसंचार में भी राज्य पात्रता परीक्षा दे सकेंगे विद्यार्थी

पत्रकारिता और जनसंचार में स्नातक और स्नातकोत्तर युवाओं के लिए बढ़ेंगे अवसर

जयपुर, 08 जुलाई 2026। पत्रकारिता और जनसंचार में स्नातक और स्नातकोत्तर की पढाई कर रहे विद्यार्थियों के लिए एक अच्छी खबर है। यूजीसी-नेट की तर्ज पर आयोजित होने वाली राज्य पात्रता परीक्षा (SET) 2026 में अब पत्रकारिता और जनसंचार विषय को भी शामिल कर लिया गया है। इससे जनसंचार के विभिन्न विषयों में पढ़ाई कर चुके और पढ़ाई कर रहे युवाओं के लिए अवसर बढेंगे। राज्य पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी राजस्थान के महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर के लिए पात्र होते हैं। इसके लिए उन्हें यूजीसी-नेट उत्तीर्ण करना आवश्यक नहीं होता।

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्विविद्यालय (एचजेयू) के कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय ने जनसंचार एवं पत्रकारिता को राज्य पात्रता परीक्षा के विषयों में शामिल करवाने के लिए विशेष प्रयास किए थे। उन्होंने आधिकारिक रूप से विषय को शामिल कर लिए जाने पर खुशी जताई। प्रो. पांडेय ने कहा, 'हरिदेव जोशी विश्वविद्यालय पत्रकारिता और जनसंचार के विभिन्न विषयों की पढ़ाई करवाने वाला राज्य का इकलौता विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय मीडिया अध्ययन, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, न्यू मीडिया, विज्ञापन एवं जनसंपर्क और विकास संचार जैसे विशेषज्ञता वाले क्षेत्रों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम करवाता है। ऐसे में यूजीसी नेट के साथ ही अब सेट के रूप में भी विद्यार्थियों के लिए एक और अवसर खुल गया है। इससे विषय की प्रतिष्ठा और बढ़ेगी।' प्रो. पाण्डेय ने कहा कि पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। जनसंचार विषय के अध्ययन का दायरा भी बढ़ रहा है। अब सीबीएसई भी कौशल आधारित पाठ्यक्रम के रूप में मीडिया अध्ययन को 11वीं और 12वीं कक्षा में लागू कर रहा है। ऐसे में राज्य पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण युवाओं को वहां भी पढ़ाने का अवसर मिल सकता है। उन्होंने पत्रकारिता और जनसंचार विषय को राज्य पात्रता परीक्षा में शामिल करने के लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कोटा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. बी.के. सारस्वत का भी आभार व्यक्त किया। प्रो. सारस्वत ने पत्रकारिता और जनसंचार को राज्य पात्रता परीक्षा में शामिल करने में प्रमुख भूमिका निभाई। गौरतलब है कि राज्य पात्रता परीक्षा (SET) 2026 का आयोजन कोटा विश्वविद्यालय, कोटा की ओर से ही करवाया गया है।

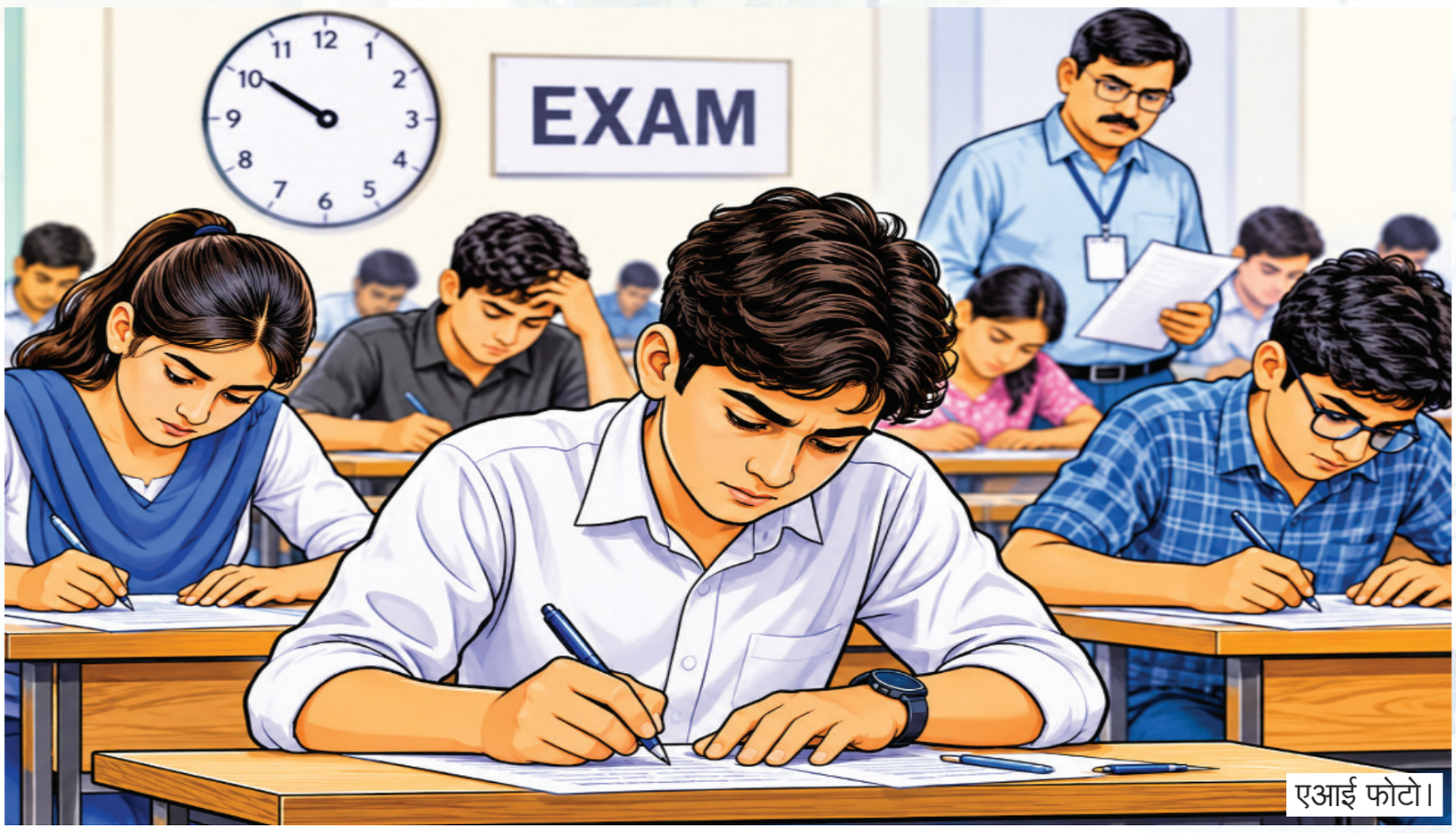

एआई फोटो।



डॉ. रतन सिंह शेखावत ने रांची विवि के पुनश्चर्या कार्यक्रम में लिया भाग

- बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, केरल, पश्चिम बंगाल, राजस्थान आदि 6 राज्यों के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के शिक्षकों ने लिया भाग
- साहित्य, कला, गणित, चिकित्सा और विज्ञान जैसे विषयों में भारतीय योगदान के बारे में हुआ गहन मंथन

19 अगस्त 2026। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. रतन सिंह शेखावत ने रांची विश्वविद्यालय की ओर से 06 अगस्त से 19 अगस्त 2026 तक 'भारतीय ज्ञान परंपरा' पर आयोजित अंतर-अनुशासनात्मक पुनश्चर्या कार्यक्रम (रिफ्रेशर कोर्स) में भाग लिया। दो सप्ताह के इस अकादमिक आयोजन में बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, केरल, पश्चिम बंगाल, राजस्थान आदि 6 राज्यों के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के शिक्षकों ने भाग लिया। इस दौरान विभिन्न विषयों में भारतीय ज्ञान परंपरा के बारे में विभिन्न विश्वविद्यालयों से आमंत्रित विद्वानों ने अपने विचार रखे। साहित्य, कला, गणित, चिकित्सा और विज्ञान जैसे विषयों में भारतीय योगदान के बारे में गहन मंथन हुआ। इस दौरान सभी प्रतिभागियों ने अपने-अपने विषय में ज्ञान परंपरा की भारतीय दृष्टि को लेकर अपनी प्रस्तुति दी। डॉ. रतन सिंह शेखावत ने इस दौरान संचार और पत्रकारिता की भारतीय परंपरा पर विचार रखे। भरत मुनि के नाट्यशास्त्र में वर्णित संचार की बारीकियों और भारतीय संचार परंपरा पर उनकी प्रस्तुति पर सभी प्रतिभागियों ने अच्छी प्रतिक्रिया दी। इस दौरान एमएमटीटीसी-रांची विश्वविद्यालय की ओर से सभी प्रतिभागियों के लिए शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन भी किया गया था, जिसमें रांची और उसके आसपास स्थित सभी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण सभी प्रतिभागियों ने किया।

हरिदेव जोशी
पत्रकारिता और जनसंचार
विश्वविद्यालय
HJU

वर्ष : 1 ◻ अंक 3 अप्रैल-सितंबर 2026

एचजेयू संवाद

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और
जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर
द्वारा प्रकाशित न्यूज़लेटर

06



हरित परिसर के संकल्प के साथ एचजेयू में पौधरोपण अभियान

जयपुर, 14 जुलाई 2026। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय (एचजेयू) में मंगलवार को पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। हरे-भरे परिसर के संकल्प के साथ राजस्थान के राज्य पुष्प रोहिड़ा के पौधों सहित विभिन्न प्रकार के पौधे परिसर में लगाए गए। पौधरोपण अभियान कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय की अगुवाई में चलाया गया, जिसमें सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों और अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया। इस दौरान रोहिड़ा के 50 पौधे परिसर में लगाए गए। इससे पूर्व 9 जुलाई को राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के अवसर पर भी विद्यार्थियों ने परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया था। जिसमें कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय की अगुवाई में राज्य वृक्ष खेजड़ी के 50 से अधिक पेड़ परिसर में लगाए गए थे। गौरतलब है कि गत वर्ष (जून 2025) में हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय दहमीकलां (बगरू) स्थित स्थायी परिसर में शिफ्ट हुआ था। एक वर्ष में ही विभिन्न अवसरों पर परिसर में लगभग 1,000 पेड़ लगाए जा चुके हैं।



प्रो. पाण्डेय की साहित्यिक पत्रकारिता पर पीएचडी

जयपुर। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय की साहित्यिक पत्रकारिता पर अब तक 4 शोधार्थी पीएचडी कर चुके हैं। हाल ही में मगध विश्वविद्यालय, बोधगया की शोधार्थी प्रिया कुमारी ने 'हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता और नन्द किशोर पाण्डेय' विषय पर अपना शोध कार्य पूर्ण किया है और 10 जुलाई 2026 को उनको पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। राजस्थान विश्वविद्यालय में हिन्दी के प्रोफेसर पद से सेवानिवृत्त प्रो. पाण्डेय हिन्दी साहित्य में प्रमुख स्थान रखते हैं और इससे पहले भी उनके कार्य पर विभिन्न विश्वविद्यालयों में शोध कार्य किया जा चुका है। प्रो. पाण्डेय केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा और भारत सरकार के वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग में भी प्रमुख पदों पर सेवाएं दे चुके हैं।



हरिदेव जोशी
पत्रकारिता और जनसंचार
विश्वविद्यालय
HJU

वर्ष : 1 ▢ अंक 3 अप्रैल-सितंबर 2026

एचजेयू संवाद

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और
जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर
द्वारा प्रकाशित न्यूज़लेटर

07



प्लेसमेंट सेल के विश्लेषण में 25 आवेदनों में छात्र आवेदक थोड़े अधिक, सोशल मीडिया, एंकरिंग और वीडियो एडिटिंग में भी गहरी रुचि

पत्रकारिता विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का झुकाव डिजिटल मीडिया, रिपोर्टिंग और कंटेंट क्रिएशन की ओर

जयपुर 13 अगस्त। पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय की प्लेसमेंट सेल द्वारा दैनिक समाचार पत्र प्रजाधिकार संदेश में इंटर्नशिप एवं प्लेसमेंट हेतु प्राप्त आवेदनों के विश्लेषण से विद्यार्थियों की रुचियों और कौशलों को लेकर महत्वपूर्ण तस्वीर सामने आई है। विश्लेषण के अनुसार, आवेदकों में पत्रकारिता के साथ-साथ डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया प्रबंधन, रिपोर्टिंग, एंकरिंग, वीडियो एडिटिंग और कंटेंट राइटिंग जैसे क्षेत्रों में विशेष रुचि देखी गई है।

कुल 25 आवेदनों में 14 छात्र और 11 छात्रा आवेदक शामिल हैं। आवेदकों में स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तर के विद्यार्थी हैं, जिनमें से अधिकतर स्नातकोत्तरर स्तर के हैं। कुछ आवेदकों के पास पूर्व कार्यानुभव भी दर्ज है, जो उनके व्यावसायिक अनुभव और तैयारी को दर्शाता है।

नियोजन प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. मनोज कुमार लोढा ने बताया कि आवेदनकर्ताओं ने समाचार पोर्टल, सोशल मीडिया प्रबंधन, डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट राइटिंग, रिपोर्टिंग, एंकरिंग, वीडियो निर्माण और फोटोग्राफी को प्राथमिक प्राथमिकताओं में रखा है। इससे स्पष्ट है कि विद्यार्थी केवल पारंपरिक पत्रकारिता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि डिजिटल और मल्टीमीडिया आधारित कार्यक्षेत्रों में भी अवसर तलाश रहे हैं। कई आवेदकों ने डिजिटल चैनल, न्यूज पोर्टल, सोशल मीडिया हैंडलिंग, ग्राउंड रिपोर्टिंग, एंकरिंग, वीडियो एडिटिंग और फोटोशॉप जैसी क्षमताओं का उल्लेख किया है। अधिकांश विद्यार्थियों के पास कंप्यूटर का सामान्य ज्ञान है और MS Word, MS Excel, PowerPoint, Canva, Photoshop, Video Editing तथा Google Workspace जैसे टूल्स का अनुभव भी सामने आया है। साथ ही, अधिकांश छात्रों ने जयपुर में ऑफलाइन इंटर्नशिप के लिए अपनी उपलब्धता जताई है।



डॉ. लोढा का मानना है कि यह रुझान मीडिया उद्योग की बदलती जरूरतों के अनुरूप विद्यार्थियों की व्यावहारिक कौशल सीखने की तैयारी को दर्शाता है। आने वाले समय में डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया, रिपोर्टिंग, कंटेंट क्रिएशन और वीडियो प्रोडक्शन जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण और अवसरों की आवश्यकता और बढ़ सकती है।

प्रजाधिकार संदेश की ओर से आयोजित साक्षात्कार के लिए कृष्ण गोपाल शर्मा ने प्रतिनिधित्व किया तथा इस अवसर पर शैक्षणिक परिसर की समन्वयक डॉ. गरिमा श्री भी उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्दर किशोर पाण्डेय ने श्री कृष्ण गोपाल का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया तथा श्रीफल भेंट किया।

हरिदेव जोशी
पत्रकारिता और जनसंचार
विश्वविद्यालय

एचजेयू संवाद

वर्ष : 1 ◻ अंक 3 अप्रैल-सितंबर 2026

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और
जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर
द्वारा प्रकाशित न्यूज़लेटर

08

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस



जयपुर, 15 अगस्त 2026। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय में 80 वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में तिरंगा फहराते हुए हर्षोल्लास से स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. नंद किशोर पांडेय ने ध्वजारोहण के बाद अपने संबोधन में कहा कि आजादी के 80 वर्ष बाद आज हमारे देश में आत्मनिर्भरता और प्रगति की पूरे विश्व में चर्चा है।

उन्होंने कहा कि आजादी के समय हमारे देश की साक्षरता दर मुश्किल से 12 से 15 प्रतिशत थी, जो आज बढ़कर 80 प्रतिशत हो गई है। अनाज, दूध और औद्योगिक वस्तुओं के उत्पादन में हम अग्रणी हो गए हैं। जिस अमेरिका से कभी हमें अपने देश के लिए पीले गेहूं और चावल का आयात करना पड़ता था, उसी अमेरिका को आज हम सर्वश्रेष्ठ चावल निर्यात करते हैं। भारत की बहुसांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए प्रो. पांडेय ने कहा कि हमारे देश में विविध धर्मों, भाषाओं और संस्कृतियों के लोग हैं। यह हमारी विविधता और एकता की मजबूत कड़ी है कि हम आपस में परस्पर सम्मान और भारतीयता के सूत्र से बंधे हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमें यह स्वतंत्रता बहुत संघर्षों और बलिदानों के बाद मिली है, इसलिए इसकी हर हाल में रक्षा करना हमारा परम कर्तव्य होना चाहिए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।





हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय

वर्ष : 1 ◻ अंक 3 अप्रैल-सितंबर 2026

एचजेयू संवाद

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा प्रकाशित न्यूज़लेटर

09

सुभद्रा कुमारी चौहान की रचनाओं में स्वदेश और देशप्रेम की भावना : प्रो. एन. के. पाण्डेय



वडोदरा, 18 अगस्त 2026। कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय ने गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'सुभद्रा कुमारी चौहान : राष्ट्रीय चेतना, स्त्री विमर्श और साहित्यिक विरासत" विषय संगोष्ठी मुख्य अतिथि के रूप में विचार रखे। वडोदरा-गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को सुभद्रा कुमारी चौहान की जयंती के उपलक्ष्य में राजभाषा प्रकोष्ठ एवं हिंदी अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में "सुभद्रा कुमारी चौहानः राष्ट्रीय चेतना, स्त्री विमर्श और साहित्यिक विरासत" विषयक संगोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य अतिथि हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति प्रो. नंद किशोर पाण्डेय ने कहा कि चौहान की रचनाओं में स्वदेश, स्वदेशी और देशप्रेम की प्रबल भावना दिखाई देती है। स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भागीदारी के कारण उन्हें और उनके पति को कई बार जेल जाना पड़ा। उनकी रचनाओं में मानवीय संवेदनाओं का प्रभावी चित्रण मिलता है। राजभाषा रिपोर्टिंग अधिकारी प्रो. जनक सिंह मीना ने कहा कि उनका साहित्य देश और समाज को नई दिशा देने वाली राष्ट्रीय चेतना से ओत-प्रोत है। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. विपुल कुमार ने 'झाँसी की रानी' और 'वीरों का कैसा हो बसंत' का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी कविताएं युवाओं और महिलाओं को स्वतंत्रता आंदोलन के लिए प्रेरित करती हैं। विशिष्ट अतिथि महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, वडोदरा की कला संकाय की अधिष्ठाता प्रो. कल्पना गवली ने कहा कि चौहान ने स्त्री को साहस, संघर्ष, निर्णय, प्रतिरोध और आत्मसम्मान की सशक्त वाहक के रूप में प्रस्तुत किया। हिंदी अधिकारी स्वाति सिंह ने आभार व्यक्त किया।

'संत साहित्य : सिद्धांत, साधना और परंपरा' पर भी रखे विचार



गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के भारतीय संत साहित्य अध्ययन केंद्र की ओर से आयोजित संगोष्ठी में भी मुख्य अतिथि के रूप में हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नंद किशोर पाण्डेय ने विचार रखे। उन्होंने कहा कि संत साहित्य मानवीय अभिव्यक्ति का विशुद्ध रूप है। उन्होंने 'यत् पिण्डे तत् ब्रह्माण्डे' के दार्शनिक सिद्धांत, संत अखा, सुंदरदास, अखा पर कुंवरचंद प्रकाश के लेखन तथा 'वंशभास्कर' के संदर्भों को रेखांकित किया। विशिष्ट अतिथि प्रो. डॉ. नरेश वेद, पूर्व कुलपति, गुजरात विश्वविद्यालय एवं भावनगर विश्वविद्यालय ने संत साहित्य के माध्यम से सामाजिक समरसता के संदेश पर बल दिया। कुलपति (प्रभारी) प्रो. अतनु भट्टाचार्य ने आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। डॉ. दलपत पढियार ने संत साहित्य के 'सत्व' और सौंदर्य पर विचार रखते हुए भजनों की प्रस्तुति दी। स्वागत वक्तव्य केंद्र के अध्यक्ष प्रो. राजेश मकवाना ने दिया और संचालन डॉ. प्रेमलता देवी ने किया। इस दौरान डॉ. मिलिंद सोलंकी और डॉ. पुलकेशी जानी सहित विभिन्न संकायों के सदस्य उपस्थित रहे।

हरिदेव जोशी
पत्रकारिता और जनसंचार
विश्वविद्यालय

वर्ष : 1 ▢ अंक 3 अप्रैल-सितंबर 2026

एचजेयू संवाद

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और
जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर
द्वारा प्रकाशित न्यूज़लेटर

10

भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने की कुलगुरु से शिष्टाचार भेंट

21 अगस्त 2026। भारतीय मजदूर संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने आदरणीय कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय से शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार, भारतीय मजदूर संघ, राजस्थान के प्रदेश वित्त सचिव विकास तिवाड़ी और भारतीय मजदूर संघ, राजस्थान के प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रकाश शर्मा शामिल थे।

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न विषयों पर कुलगुरु से चर्चा की। देश में श्रमिक कानूनों और श्रमिकों से जुड़े मुद्दों को लोगों के सामने लाने में मीडिया की भूमिका पर भी चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल ने आग्रह किया की न केवल कुलगुरु बल्कि मीडिया से जुड़े शिक्षक देश में मजदूरों और श्रम कानूनों से जुड़े मुद्दों पर लिखकर उनकी बेहतरी में मदद कर सकते हैं। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में शामिल सभी अतिथियों ने विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया।







इस अवसर पर आगंतुक अतिथियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण का संदेश दिया।

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय

एचजेयू संवाद

वर्ष : 1 ◻ अंक 3 अप्रैल-सितंबर 2026

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा प्रकाशित न्यूज़लेटर

11



‘विभाजन की विभीषिका और सिंधी साहित्य’ विषय पर एचजेयू में विशेष व्याख्यान



जयपुर, 25 अगस्त 2026। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय (एचजेयू) में मंगलवार को ‘विभाजन की विभीषिका और सिंधी साहित्य’ विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सिंधी अकादमी, राजस्थान के पूर्व अध्यक्ष डॉ. भगवान अटलानी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय ने की। कार्यक्रम की संयोजक एचजेयू की समन्वयक, शैक्षणिक एवं प्रशासनिक डॉ. गरिमा श्री रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत में कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय ने मुख्य वक्ता डॉ. भगवान अटलानी का श्रीफल और शॉल भेंटकर सम्मान किया। अपने संबोधन में कुलगुरु ने कहा कि विश्वविद्यालय समय-समय पर ज्वलंत और समसामयिक विषयों पर विशेष व्याख्यान आयोजित करता रहा है। इसी क्रम में ‘विभाजन की विभीषिका और सिंधी साहित्य’ विषय पर आयोजित यह व्याख्यान इस सत्र का पहला आयोजन है।

मुख्य वक्ता डॉ. भगवान अटलानी ने कहा कि भारत का विभाजन बेहद पीड़ादायक था और सिंधी साहित्य आज भी यह त्रासदी झेल रहा है। विभाजन के समय 10 लाख से अधिक हिंदू सिंधी आबादी को पलायन कर भारत आना पड़ा। उन्होंने बताया कि उस समय यह चर्चा भी हुई थी कि गांधीधाम क्षेत्र सिंधी भाषियों को देकर उसे ‘सिंध प्रदेश’ का नाम दिया जाए, लेकिन ऐसा संभव नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि वर्तमान में ‘सिंध’ शब्द भले ही भारत के राष्ट्रगान में शामिल है, लेकिन भारत में सिंध नाम का कोई प्रदेश नहीं है। उन्होंने सिंधी भाषा की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि देश में सिंधी भाषा के अध्ययन-अध्यापन की समुचित व्यवस्था नहीं है और इसके मानकीकरण की दिशा में भी अपेक्षित कार्य नहीं हुआ है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष भी उपस्थित थे।



राष्ट्रीय खेल दिवस पर एचजेयू में शतरंज प्रतियोगिता आयोजित

जयपुर, 31 अगस्त 2026। हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय (एचजेयू) में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों में खेल भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सोमवार को शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को खेलों से जोड़ने के साथ उनमें एकाग्रता, रणनीतिक सोच, निर्णय क्षमता और प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करना था। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने शतरंज की बिसात पर अपनी रणनीति और कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के तहत चार मुकाबले खेले गए। पहला मुकाबला एमए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तृतीय सेमेस्टर के राकेश जानी और एमए न्यू मीडिया तृतीय सेमेस्टर की साक्षी पांडे के बीच हुआ। कड़े मुकाबले में राकेश जानी ने जीत दर्ज की। दूसरा मुकाबला बीएजेएमसी पंचम सेमेस्टर के दिव्यांश भटनागर और बीएजेएमसी तृतीय सेमेस्टर के सौरभ कुमावत के बीच हुआ जो ड्रॉ रहा। तीसरे मुकाबले में बीएजेएमसी प्रथम सेमेस्टर की भव्या श्रीवास्तव ने इसी सेमेस्टर की हर्षिता छीपा को हराकर जीत हासिल की। वहीं, अंतिम मुकाबला बीएजेएमसी प्रथम सेमेस्टर के अनिल बुनकर और इसी सेमेस्टर की जाह्नवी भदौरिया के बीच हुआ, जिसमें जाह्नवी विजेता रहीं। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ भाग लिया। मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों ने अपनी एकाग्रता, धैर्य, तार्किक क्षमता और रणनीतिक कौशल का परिचय दिया।



एआई फोटो।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक समन्वयक डॉ. गरिमा श्री की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विश्वविद्यालय की ओर से विद्यार्थियों को खेल गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय

HJU

वर्ष : 1 ▢ अंक 3 अप्रैल-सितंबर 2026

एचजेयू संवाद

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा प्रकाशित न्यूज़लेटर

12



स्मार्ट विलेज योजना के अंतर्गत गोद लिए गांव दहमीकलां में आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम

एचजेयू ने शुरू किया 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' संकल्प अभियान





जयपुर, 03 सितंबर 2026। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए केंद्र और राज्य सरकार के प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय (एचजेयू) ने भी युवाओं को जागरूक करने का अभियान शुरू किया है। इसके तहत गुरुवार को एचजेयू की ओर से ग्राम दहमीकलां, बगरू में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान शुरू किया गया। स्मार्ट विलेज योजना में गोद लिए गए ग्राम दहमीकलां में आयोजित इस कार्यक्रम को विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय ने संबोधत किया। पंचायत भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रो. पाण्डेय ने कहा कि दहमीकलां इस मामले में सौभाग्यशाली है कि इसकी सीमा में दो राज्य पोषित एचजेयू और डॉ. अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय स्थित हैं। ऐसे में यहां के युवाओं के उच्च शिक्षा से वंचित होने का प्रश्न ही नहीं उठता है। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि देश का विकास शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ युवाओं से ही संभव है। यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है कि नशे का प्रवेश हमारे घर और गांव में नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को क्लब बनाकर इस बात पर नजर रखनी है कि ड्रग्स का प्रवेश किसी भी स्थिति में अपने गांव में नहीं हो। प्रो. पाण्डेय ने यह भी कहा कि एक आदर्श गांव वह है जो अपनी समस्याएं और झगड़े स्वयं सुलझा लेता है और अदालतों के चक्कर काटने बजाय अपना समय और पैसा बचा लेता है।

इस दौरान कुलगुरु प्रो. पाण्डेय ने गांव में स्थित आयुर्वेदिक अस्पताल का भी दौरा किया और वहां मरीजों को मिलने वाली स्वास्थय सुविधाओं और दवाओं के बारे में भी जानकारी ली। साथ ही गांव में स्थित महात्मा गांधी उच्च माध्यमिक विद्यालय में अकादमिक सुविधाओं की जानकारी भी ली और विद्यालय में पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर ग्राम सरपंच गणेश कुमावत ने कुलगुरु प्रो. पाण्डेय और स्मार्ट विलेज प्रोजेक्ट के प्रभारी डॉ. मनोज लोढा और सह-प्रभारी डॉ. रतन सिंह शेखावत को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता विश्वविद्यालय से दहमीकलां और आसपास के गांवों के विद्यार्थियों को बहुत लाभ हो रहा है। उन्होंने युवाओं को नशा मुक्त करने के अभियान की भी सराहना की। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सचिव, उप सरपंच और अन्य पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

हरिदेव जोशी
पत्रकारिता और जनसंचार
विश्वविद्यालय
HJU

वर्ष : 1 ▢ अंक 3 अप्रैल-सितंबर 2026

एचजेयू संवाद

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और
जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर
द्वारा प्रकाशित न्यूज़लेटर

13



डॉ. अनिल कुमार मिश्र।

अंबेडकर जयंती पर परिचर्चा

संविधान और सामाजिक न्याय पर हुआ मंथन



डॉ. रतन सिंह शेखावत

जयपुर, 13 अप्रैल। हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में सोमवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती (14 अप्रैल) के उपलक्ष्य में एक विचारगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का विषय 'संविधान निर्माता बाबा साहब अंबेडकरः जीवन दर्शन और योगदान' रखा गया। इसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर मीडिया अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. रतन सिंह शेखावत ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर को उनके विचारों के माध्यम से समझा जाना चाहिए। उन्होंने संविधान निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को रेखांकित करते हुए बताया कि अंबेडकर ने सामाजिक न्याय, समानता और स्वतंत्रता के सिद्धांतों को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ. शेखावत ने कहा कि बाबा साहेब ने वर्षों के अथक प्रयासों से संविधान में ऐसे प्रावधान शामिल किए, जो सभी वर्गों को समान अधिकार प्रदान करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि संविधान का उद्देश्य तभी सार्थक हो सकता है, जब समाज के सभी वर्ग एक-दूसरे के प्रति समानता और सम्मान की भावना रखें।



विश्वविद्यालय के विकास संचार विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार मिश्र ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन इस बात का प्रमाण है कि कैसे एक व्यक्ति विषम परिस्थितियों से गुजरते हुए भी समाज की संरचना को बदलने का संकल्प ले सकता है। भारतीय समाज, जो 'सीढ़ीनुमा' जाति व्यवस्था में बंटा हुआ था, उसमें उन्होंने समानता की बात कही। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक चेतना जरूरी है इसलिए बाबा साहेब आज भी प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। विद्यार्थियों ने अपने वक्तव्यों के माध्यम से बाबा साहेब अंबेडकर की रचनाओं और विचारों के महत्व को बताया। इस अवसर पर कविता पाठ भी किया गया, जिसमें समानता और भाईचारे का संदेश दिया गया।



हरिदेव जोशी
पत्रकारिता और जनसंचार
विश्वविद्यालय

वर्ष : 1 ◻ अंक 3 अप्रैल-सितंबर 2026

एचजेयू संवाद

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और
जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर
द्वारा प्रकाशित न्यूज़लेटर

14



सोशल मीडिया तेज, लेकिन भरोसा आज भी प्रिंट पर : श्रवण शर्मा

जयपुर, 16 अप्रैल 2026। हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में विशेष व्याख्यान का गुरुवार को आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दैनिक भास्कर के स्टेट एडिटर ईएमएम (जयपुर क्लस्टर) श्रवण शर्मा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्दकिशोर पाण्डेय ने की। कुलगुरु महोदय ने शॉल और श्रीफल भेंटकर मुख्य अतिथि का स्वागत सम्मान किया। मुख्य अतिथि श्रवण शर्मा ने अपने व्याख्यान में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि खबर वह है, जो सीधे व्यक्ति के जीवन पर असर करे। पहले खबर सूचना मात्र थी, अब खबर का उद्देश्य पाठक को जागरूक करना है। कोरोना महामारी के बाद पत्रकारिता का स्वरूप बदला है। यही वजह है कि वर्तमान में प्रिंट मीडिया में आगे रहने के लिए उस एंगल पर ध्यान देना होगा, जो सोशल मीडिया से नहीं मिल पाया है। वर्तमान में सोशल मीडिया प्रभावी माध्यम है। सोशल मीडिया पर अनगिनत शब्द, फोटो और वीडियो डाले जा सकते हैं, लेकिन प्रिंट की अपनी सीमाए हैं। प्रिंट में फीडबैक की भी कमी है जबकि सोशल मीडिया रियल टाइम में खबर कितनी पढ़ी गई है, उसके वीडियो का कौन सा हिस्सा, कितनी बार देखा गया, यह सारी जानकारी उपलब्ध करा देता है। फिर भी प्रिंट की विश्वसनीयता बरकरार है। आज भी अखबार में छपे हुए शब्द ही सच माने जाते हैं। छात्रों के सवालों का जवाब देते हुए मुख्य अतिथि ने अखबार में आने वाले विज्ञापनों, उसकी कीमत और ग्रामीण पत्रकारिता के बदलते स्वरूप पर भी चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के अकादमिक एवं प्रशासनिक समन्वयक डॉ.रतनसिंह शेखावत ने धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।



एचजेयू और महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के बीच हुआ एमओयू

अकादमिक और शोध संबंधी क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाएंगे दोनों विश्वविद्यालय

जयपुर, 17 अप्रैल 2026। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और शोध गतिविधियों को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय (एचजेयू) और भरतपुर के महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय (एमएसबीयू) के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस कार्यक्रम में राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (जोबनेर) जयपुर और एमएसबीयू के कुलगुरु (अतिरिक्त कार्यभार) मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। वहीं प्रो. योगेंद्र भानू और प्रो. निशांत मिश्र की उपस्थिति भी विशिष्ट अतिथि के रूप में रही।



एमओयू के अवसर पर एमएसबीयू के कुलगुरु प्रो. त्रिभुवन शर्मा बाएं और एचजेयू के कुलगुरु प्रो. एन. के. पाण्डेय।



दोनों संस्थानों के कुलगुरु और शिक्षकों ने इस पहल को शिक्षा और शोध के क्षेत्र में मील का पत्थर बताया। एचजेयू कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय ने कहा कि इस सहयोग से न केवल शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि नवाचार और नए विचारों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। समझौते का उद्देश्य दोनों विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक और शोध सहयोग को बढ़ावा देना है, ताकि शोधार्थियों को बहुआयामी शैक्षणिक अवसर उपलब्ध हो सकें। एमओयू के तहत दोनों विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक आदान-प्रदान, शोध गतिविधियों, सेमिनार, वर्कशॉप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

दोनों संस्थान अपने शैक्षणिक संसाधनों जैसे पुस्तकालय, प्रयोगशाला, मीडिया स्टूडियो और आईटी सुविधाओं का भी आपस में उपयोग कर सकेंगे। एमएसबीयू कुलगुरु प्रो. त्रिभुवन शर्मा ने कार्यक्रम के दौरान अपने वक्तव्य में युवाओं को देश के विकास की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि यदि युवा अपनी भूमिका को सही दिशा में समझें और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ें, तो देश नई ऊंचाइयों को छू सकता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के छात्र नियमित रूप से अखबारों के संपादकीय पृष्ठों का अध्ययन करें, इससे न केवल लेखनी मजबूत होगी बल्कि उनके विचारों में भी परिपक्वता आएगी। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों और शोधार्थियों ने भी इस समझौते का स्वागत किया और इसे अपने अकादमिक विकास के लिए लाभकारी बताया।

हरिदेव जोशी
पत्रकारिता और जनसंचार
विश्वविद्यालय
HJU

वर्ष : 1 ◻ अंक 3 अप्रैल-सितंबर 2026

एचजेयू संवाद

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और
जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर
द्वारा प्रकाशित न्यूज़लेटर

15



एचजेयू में 'सार्वजनिक प्रसारण : समाचार और तकनीक' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित

प्रसार भारती में कॅरियर की संभावनाओं के बारे में दी जानकारी





जयपुर, 23 सितंबर 2026। हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय (एचजेयू) में बुधवार को 'सार्वजनिक प्रसारणः समाचार और तकनीक' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मुरारी गुप्ता (आईआईएस), सहायक निदेशक एवं समाचार प्रमुख, डीडी न्यूज राजस्थान ने विद्यार्थियों को सार्वजनिक प्रसारण, समाचार लेखन, रेडियो एवं टेलीविजन पत्रकारिता, तकनीक तथा मीडिया के बदलते स्वरूप से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी।

श्री गुप्ता ने कहा कि पत्रकारिता में ब्रेकिंग न्यूज से अधिक महत्वपूर्ण खबर का सत्यापन है। पत्रकार को किसी भी सूचना को प्रसारित करने से पहले उसके तथ्यों की पुष्टि करनी चाहिए।उन्होंने कहा कि विद्यार्थी भविष्य में मीडिया संस्थानों, डिजिटल प्लेटफॉर्म, यूट्यूब अथवा अपना मीडिया उद्यम शुरू करें, लेकिन पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों और विवेक को हमेशा प्राथमिकता दें। उन्होंने भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) और प्रसार भारती में करियर की संभावनाओं के बारे में भी जानकारी दी। मुरारी गुप्ता ने विद्यार्थियों को प्रसार भारती की वेबसाइट पर डीडी न्यूज, आकाशवाणी और अन्य इकाइयों में निकलने वाली रिक्तियों की जानकारी नियमित रूप से देखते रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में फील्ड अनुभव महत्वपूर्ण है और विद्यार्थियों को कक्षा में अध्ययन के साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के अवसरों का भी लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक प्रसारण की अपनी जिम्मेदारियां और मर्यादाएं हैं। दूरदर्शन और आकाशवाणी केवल समाचार प्रसारित करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों तक सूचना पहुंचाने, स्थानीय भाषाओं के संरक्षण एवं प्रोत्साहन तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने राजस्थान में दूरदर्शन के हिंदी के साथ राजस्थानी भाषा में समाचार प्रसारण तथा अरुणाचल प्रदेश में स्थानीय भाषाओं एवं बोलियों में प्रसारण के अपने अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा किए। रेडियो और टेलीविजन पत्रकारिता के अंतर को समझाते हुए उन्होंने कहा कि रेडियो में शब्दों के माध्यम से श्रोता के मन में दृश्य उत्पन्न करना पड़ता है। इसके लिए भाषा, वाक्य-विन्यास, उच्चारण, गति और प्रस्तुति पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने टेलीविजन समाचार निर्माण की प्रक्रिया समझाते हुए रिपोर्टर, डेस्क, स्क्रिप्ट, रनडाउन, पीसीआर, प्रोड्यूसर, एंकर, टेलीप्रॉम्प्टर और एमसीआर की भूमिकाओं के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी।

श्री गुप्ता ने कहा कि तकनीक तेजी से बदल रही है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आने वाले समय में मीडिया के काम करने के तरीके को प्रभावित करेगा। ऐसे में पत्रकारिता शिक्षा का उद्देश्य केवल तकनीकी जानकारी देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में विवेक, विश्लेषण क्षमता और सही सूचना का चयन करने की क्षमता विकसित करना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से पढ़ने और लिखने की आदत विकसित करने तथा समाचार पत्रों के संपादकीय पढ़ने की सलाह दी।

विद्यार्थियों के साथ संवाद के दौरान मीडिया में बढ़ती नकारात्मकता और पत्रकारिता में संतुलन से जुड़े सवाल पर श्री गुप्ता ने कहा कि पत्रकारों को पूर्वाग्रह से ऊपर उठकर संतुलित एवं तथ्यपरक पत्रकारिता करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रश्न पूछते समय प्रश्न को संक्षिप्त, स्पष्ट और संबंधित व्यक्ति की भूमिका के अनुरूप रखने की सलाह दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने समाचार, रेडियो, दूरदर्शन, भारतीय सूचना सेवा, रोजगार, ट्रैवल राइटिंग और लेखन से जुड़े विभिन्न सवाल पूछे।

कार्यक्रम के समापन पर डॉ. शालिनी जोशी ने मुख्य वक्ता श्री मुरारी गुप्ता का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे 'अच्छा पढ़ें, अच्छा लिखें और स्क्रीन टाइम कम करें।' उन्होंने पत्रकारिता को 'जल्दबाजी में लिखा साहित्य' बताते हुए विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन और लेखन के लिए प्रेरित किया। डॉ. जोशी ने कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक बनाने के लिए मुख्य वक्ता, विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा आयोजन से जुड़े सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

हरिदेव जोशी
पत्रकारिता और जनसंचार
विश्वविद्यालय

वर्ष : 1 ◻ अंक 3 अप्रैल-सितंबर 2026

एचजेयू संवाद

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और
जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर
द्वारा प्रकाशित न्यूज़लेटर

16

राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम' की 150वीं वर्षगाँठ पर आयोजित कार्यक्रम को कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय ने किया संबोधित

स्वाधीनता आंदोलन में वंदे मातरम् ने प्राण वायु का काम किया : कुलगुरु प्रो. पाण्डेय





जयपुर,25 सितम्बर 2026। राष्ट्रगीत वंदे मारतम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 25 सितंबर को देशभर में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान अजमेर रोड स्थित वाटिका इन्फोटेक सिटी में भी वाटिका इन्फोटेक सिटी रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (विक्रवा) की ओर से राष्ट्रगीत "वन्दे मातरम्" की भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सुबह 6 बजे संपूर्ण टाउनशिप में सैकड़ों महिलाओं एवं पुरुषों ने प्रभात फेरी निकाली, जिसमें देशभक्ति के नारों से वातावरण गुंजायमान हो गया। तत्पश्चात सायं 6 बजे मुख्य समारोह आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय ने की। इस दौरान प्रो. पाण्डेय ने वंदे मातरम् गीत की स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान महत्ता का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौर में स्वाधीनता आंदोलन की प्राण वायु का काम वंदे मातरम् गीत ने किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों ने वंदे मातरम् का नारा लगाते हुए ही कुर्बानियां दीं। ऐस में यह आज भी देश को जोड़ने वाली प्राण शक्ति का काम करती है।

इस दौरार विक्रवा के पूर्व अध्यक्ष श्री सतीश चन्द्र दुलार ने "वन्दे मातरम्" गीत की ऐतिहासिकता, उसकी संवैधानिक स्थिति एवं वर्तमान युग में उसकी प्रासंगिकता और उपयोगिता पर सारगर्भित पर प्रकाश डाला। रेजिडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री दयाल सिंह राठौड़ जी ने स्वागत उद्बोधन में पधारे हुए सभी अतिथियों एवं निवासियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में एसोसिएशन की सचिव श्रीमती सुलोचना दलाल जी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी निवासियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, कविन्द्र सिंह सोंधी, प्रेम सिंह शेखावत, बिशन स्वरूप गुप्ता और प्रभुदयाल शर्मा ने भी मुख्य भूमिका निभाई।

पत्रकारिता में पेशेवर मूल्यों का पालन जरूरी : बिस्सा

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय में सेवानिवृत्त आईएएस एसएस बिस्सा का विशेष व्याख्यान

जयपुर, 30 सितंबर 2026। हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय (एचजेयू) में बुधवार को विद्यार्थियों के लिए विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त आईएएस एवं एचसीएम रीपा, जयपुर के सीनियर ऑनरेरी फेलो श्याम सुंदर बिस्सा ने 'जीवन में मूल्य और मूल्यपरक पत्रकारिता' विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय ने की। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. गरिमा श्री ने किया।



बिस्सा ने कहा कि पत्रकारिता में सत्य को उजागर करना सबसे महत्वपूर्ण मूल्यों में से एक है और यह एक पत्रकार के लिए पहली शर्त है। सामाजिक कर्तव्यों का पालन करते हुए पत्रकार को बिना किसी दबाव या प्रभाव में आए तथ्यों के आधार पर अपना काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मनुष्य का मनुष्य होना ही उसका पहला धर्म है। यदि व्यक्ति में यह गुण है तो अन्य मानवीय गुण स्वतः विकसित होने लगते हैं। उन्होंने जीवन में मूल्यों के महत्व पर चर्चा करते हुए कृतज्ञता को मनुष्य का महत्वपूर्ण गुण बताया। उन्होंने कहा कि कृतज्ञता का भाव आसानी से विकसित नहीं होता, इसके लिए निरंतर प्रयास और संवेदनशीलता जरूरी है।

बिस्सा ने करुणा को सहानुभूति से आगे की भावना बताते हुए इसे एक विशिष्ट मानवीय गुण बताया। व्याख्यान में 'फील टू सर्व' की अवधारणा पर भी चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि सेवा का भाव व्यक्ति को दूसरों की मदद करने और उनके प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है।यह भावना समाज के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में सभी शिक्षक और स्नातक और स्नातकोत्तर के विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रतन सिंह शेखावत ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।